दो माह में अस्पतालों में 31 व जिला चिकित्सालय में 47 बच्चों की मौत

चाइल्ड डेथ रिव्यू (सीडीआर) पोर्टल की रिपोर्ट के अनुसार इन दो महीनों में जिले में 47 बच्चों की मौत दर्ज की गई

नवभारत न्यूज

पन्ना, 01 अगस्त। पन्ना जिले में स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा गई है। दो माह के आंकडो पर यदि नजर डाली जाये तो जिला चिकित्सालय में 47 बच्चों तथा अन्य अस्पतालों में 31 बच्चों की मौत हो गई है जिसमें सर्वाधिक संख्या नवजातों की है।

उक्त आंकडों ने जिले की स्वास्थ्य सेवाओं पर बडा सवालिया निशान लगा दिया है। अब तो लोग यह कहने से नहीं चूक रहे है कि अस्पताल मौत का घर बन कर रह गये है। चाइल्ड डेथ रिव्यू (सीडीआर) पोर्टल की रिपोर्ट के अनुसार इन दो महीनों में जिले में 47 बच्चों की मौत दर्ज की गई। इनमें सबसे अधिक 29 नवजात (0 से 28 दिन आयु वर्ग के) शामिल हैं। रिपोर्ट यह भी बताती है कि अधिकांश बच्चों की मौत अस्पतालों में हुई, कुछ बच्चों ने घर और कुछ ने अस्पताल पहुंचने के रास्ते में दम तोड़ दिया। रिपोर्ट के अनुसार जिले में दो माह की अवधि में बाल मृत्यु के 47 मामलों की रिपोर्टिंग हुई। देवेंद्रनगर एवं जिला अस्पताल में 27 बच्चों की मौत के मामले सामने आए।

वहीं गुनौर ब्लॉक में बाल मृत्यु के 3 मामलों को रिपोर्ट किया गया। इसी प्रकार अजयगढ़ में 6, पवई में 7 और शाहनगर में 4 बाल मृत्यु के मामले दर्ज किए गए।

29 बच्चों की मौत जन्म के 28 दिन के भीतर – आयु वर्ग के अनुसार आंकड़ों पर नजर डालें तो सबसे अधिक 29 बच्चों की मौत जन्म के 28 दिन के भीतर हुई। इसके अलावा 29 दिन से एक वर्ष तक के 12 बच्चों तथा एक से पांच वर्ष आयु वर्ग के 6 बच्चों की मृत्यु दर्ज की गई।

31 बच्चों की मौत अस्पताल में – स्थान के आधार पर देखें तो 31 बच्चों की मौत अस्पतालों में, 10 बच्चों की घर पर तथा 6 बच्चों की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में हुई। अस्पताल पहुंचने से पहले हुई मौतें यह संकेत हैं कि उपचार, रेफरल व्यवस्था और परिवहन सेवाओं को और मजबूत करने की जरूरत है।

यहां हैं खामियां, जिनमें सुधार की जरूरत

गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच, संस्थागत प्रसव, नवजात की सतत निगरानी, समय पर टीकाकरण, पोषण, संक्रमण से बचाव तथा गंभीर स्थिति में त्वरित रेफरल व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करना होगा। प्रत्येक बाल मृत्यु की विस्तृत समीक्षा कर उसके कारणों का विश्लेषण किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

एसएनसीयू में सबसे ज्यादा शिशुओं ने तोड़ा दम

ब्लॉकवार आंकड़ों में पन्ना (जिला अस्पताल एवं एसएनसीयू सहित) सबसे अधिक 27 मौतों के साथ शीर्ष पर रहा। इनमें 17 नवजात, 7 एक वर्ष से कम आयु के तथा 3 बच्चे एक से पांच वर्ष आयु वर्ग के थे। पवई में 7, अजयगढ़ में 6, शाहनगर में 4 और गुनौर में 3 मौतें दर्ज की गई। रिपोर्ट में दिए गए नोट के अनुसार जिला अस्पताल की एसएनसीयू (विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई) में 13, पीआईसीयू (बाल गहन चिकित्सा इकाई) में 6 तथा देवेंद्रनगर ब्लॉक में 8 बच्चों की मौत दर्ज की गई है। इससे स्पष्ट होता है कि गंभीर स्थिति में बड़ी संख्या में बच्चों को जिला अस्पताल में उपचार के लिए लाया गया, जहां जटिल मामलों का इलाज किया जाता है।

बाइक चोरी का आरोपी गिरफ्तार

चोरी की मोटर साइकिल बरामद

नवभारत न्यूज

पन्ना, 01 अगस्त। पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में पन्ना पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के एक मामले का खुलासा किया है।

थाना कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए न सिर्फ आरोपी को गिरफ्तार किया, बल्कि उसके कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सतना जिले के पतेरी निवासी फरियादी नागेश्वर प्रताप सिंह सोलंकी पन्ना की इन्द्रपुरी कॉलोनी के रहने वाले हैं। वे बीते दिनों पन्ना के गुल्लाईची मोहल्ला स्थित डब्ल्यू इमराल्ड होटल में रुके हुए थे। उन्होंने अपनी हीरो होंडा स्प्लेंडर एनएक्सजी मोटरसाइकिल क्रमांक

एमपी 35 एमए 5534 होटल की पार्किंग में खड़ी की थी, जो 28 जुलाई की सुबह गायब मिली। काफी खोजबीन के बाद जब वाहन का पता नहीं चला, तो फरियादी ने थाना कोतवाली में इसकी रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज कर तफ्तीश शुरू की। कोतवाली निरीक्षक रोहित मिश्रा के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने घटनास्थल और उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और अपने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। सीसीटीवी फुटेज और सटीक मुखबिरी के आधार पर पुलिस ने पन्ना के गहरा निवासी 21 वर्षीय आरोपी सोहन अहिरवार को धर दबोचा। कड़ाई से की गई पूछताछ के बाद आरोपी के कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद कर ली गई, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 20,000 रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस करियर मार्गदर्शन पर व्याख्यान हुआ

नवभारत न्यूज

पन्ना, 01 अगस्त। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पन्ना में विद्यार्थियों को भविष्य की राह दिखाने और प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति जागरूक करने के लिए एक प्रेरक व्याख्यान का आयोजन किया गया।

प्राचार्य डॉ. जे.के. वर्मा के संरक्षण एवं स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉ. बी.एन. जायसवाल के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य विषय सिविल सेवा परीक्षा, नेट, सेट तथा गेट में करियर के अवसर एवं परीक्षा की तैयारी रहा। इस विशेष सत्र में कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और देश की प्रतिष्ठित परीक्षाओं को उत्तीर्ण करने के सूत्र सीखे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. अमरजीत साहू ने प्रशासनिक सेवाओं में जाने की इच्छा रखने वाले युवाओं को सफलता के अचूक मंत्र दिए। उन्होंने संघ लोक सेवा आयोग और मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा प्रणाली और उनके बदलते पाठ्यक्रमों पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. साहू ने विद्यार्थियों को समझाया कि एक बेहतर प्रशासनिक अधिकारी बनने के लिए केवल पढ़ना ही काफी नहीं है, बल्कि प्रभावी रणनीति, सटीक समय प्रबंधन, दैनिक समसामयिक घटनाओं का नियमित अध्ययन और उत्तर लेखन की बेहतरीन तकनीक बेहद जरूरी है।

इसी क्रम में उच्च शिक्षा और तकनीकी क्षेत्र में करियर बनाने की राह आसान करते हुए जैव प्रौद्योगिकी विभागाध्यक्ष डॉ. मनीषा शर्मा ने नेट, सेट और गेट जैसी कठिन परीक्षाओं की बारीकियों को साझा किया। डॉ. शर्मा ने बताया कि जेआरएफ की परीक्षा पास करने वाले मेधावी छात्रों को भारत सरकार द्वारा शोध कार्य के लिए आकर्षक मासिक फेलोशिप प्रदान की जाती है, जो उनके शोध को बिना किसी आर्थिक बाधा के पूरा करने में मदद करती है।

सड़क हादसों से बचाव के लिए गाइड लाइन पर अमल क्यों नहीं?

नवभारत न्यूज

पन्ना, 01 अगस्त। सड़क हादसों से बचाव के लिये मध्यप्रदेश शासन समय समय पर चिंतन तो करता है और वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निर्देश भी दिये जाते हैं किन्तु उन निर्देशों का पालन कितना होता है यह खोज का विषय है।

यह उस समय अधिक होता है जब कोई गंभीर घटना होती है। यदि पूर्व की घटनाओं के समय के अधिकृत निर्देशों पर गौर किया जाय तो प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिये गये थे। किन्तु आज लगता है कि वह सब केवल मौखिक चर्चा तक ही सीमित रह गया।

''इस तरह दिये जाते हैं निर्देश-'' पूर्व की गंभीर सड़क दुर्घटनाओं के बाद संभाग स्तर से निर्देश दिये गये थे कि परिवहन अधिकारी गाड़ी एवं स्कूल बसों की फिटनेस का गंभीरता पूर्वक परीक्षण करने के बाद ही सर्टिफिकेट जारी करें। बिना नंबर, बिना परमिट एवं खराब कंडीशन की गाड़ियों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें। वाहनों के उपकरण सही नहीं होने पर फिटनेस निरस्त करने की कार्रवाई सुनिश्चित करें। सभी वाहन चालकों की आंखों की जांच कराई जाय। शिविर आयोजित कर वाहन चालकों की आंखों की जांच की जाए। वाहन चालकों का पुलिस सत्यापन भी कराया जाए। शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों पर सख्त कार्रवाई की जाए। किन्तु इन आदेशों का कितना पालन हुआ। कितने स्कूल बसों की गंभीरता से जांच हुई, बिना नंबर व परमिट वाले कितने वाहनों पर कार्रवाई हुई। खराब कंडीशन के कितने वाहनों को पकड़ा गया। फिटनेस का पालन नहीं होने पर कितने वाहनों के खिलाफ कार्रवाई हुई। आज भी ऐसे कई वाहन सड़कों पर दौड़ रहे हैं। कई बसों की फिटनेस दूर से देखने पर लगता है वैसे नीचे गिरे होती है किन्तु ऐसे बसें भी अभी सड़क पर चल रही हैं। ऐसे वाहनों पर जब तक कार्रवाई नहीं होगी तो आकस्मिक घटनाओं की संभावनाओं को कम नहीं किया जा सकता।

करना था निर्देशों का पालन

प्रशासनिक स्तर पर समीक्षा के दौरान पूर्व में यह निर्देश भी दिये जाते हैं कि बसों में अनिवार्य रूप से स्पीड गवर्नर लगाये जाएं और उनका भौतिक सत्यापन भी कराया जाए। सार्वजनिक मार्गों पर अनधिकृत रूप से ट्रक, बसों एवं अन्य वाहनों के खड़े पाए जाने पर संयुक्त रूप से पुलिस, जिला प्रशासन एवं आरटीओ द्वारा कार्यवाही की जाए। जिला सड़क सुरक्षा समितियों की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाएं। निर्धारित गति सीमा से ज्यादा तेज गति से वाहन नहीं चलाए जाने की समझाइश दी जाए। सभी वाहनों में फर्स्ट एड बॉक्स एवं अग्निशमन यंत्र लगाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। यह भी कहा गया था वाहन सही स्थिति में नहीं पाए जाने पर उनके फिटनेस प्रमाण पत्र निरस्त करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इस संबंध में पुलिस, जिला प्रशासन एवं आरटीओ संयुक्त रूप से कार्रवाई करें।

लंबित मांगों को लेकर कल से पटवारी हड़ताल

नवभारत न्यूज

पन्ना, 01 अगस्त। मध्य प्रदेश में राजस्व विभाग की रीढ़ कहे जाने वाले पटवारी संवर्ग की वर्षों पुरानी और न्यायोचित मांगें पूरी न होने के कारण प्रदेश के पटवारियों में भारी असंतोष और निराशा व्याप्त है।

अपनी विभिन्न समस्याओं के स्थायी समाधान की मांग को लेकर प्रांतीय पटवारी संघ, भोपाल ने मुख्यमंत्री, राजस्व मंत्री और प्रमुख सचिव राजस्व विभाग को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा है। इस ज्ञापन के माध्यम से संघ ने शासन का ध्यान इस ओर आकर्षित किया है कि मध्य प्रदेश के पटवारियों ने भू-अभिलेखों के डिजिटलीकरण, ऑनलाइन नामांतरण, गिरदावरी और सार पोर्टल जैसे जटिल कार्यों को पूरी निष्ठा के साथ पूरा किया है। उनके इसी उल्लेखनीय योगदान की बदौलत मध्य प्रदेश शासन को भारत सरकार की ओर से दो बार प्रतिष्ठित डिजिटल इंडिया अवार्ड से भी नवाजा जा चुका है। इतनी बड़ी उपलब्धियों और लगातार बढ़ती जिम्मेदारियों के बाद भी पटवारी संवर्ग आज तक अपने जायज हक के लिए तरस रहा है। प्रांतीय पटवारी संघ के अध्यक्ष अश्विन कुमार सैनी ने बताया कि वर्ष 2023 में हुए बड़े आंदोलन के बाद भी शासन स्तर से उनकी वेतन विसंगतियों और पदोन्नति जैसे मुद्दों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। हालांकि वर्तमान में वल्लभ भवन स्तर पर पटवारी से नायब तहसीलदार पद के लिए विभागीय परीक्षा आयोजित करने की प्रक्रिया चल रही है, जिससे कुछ साथियों को लाभ होगा। परंतु जब तक संवर्ग का कैडर रिव्यू नहीं किया जाता और समयमान वेतनमान का लाभ नहीं मिलता, तब तक इस समस्या का कोई स्थायी समाधान संभव नहीं है। पटवारियों की मुख्य मांगों में संवर्ग का शीघ्र कैडर रिव्यू करना, ग्रेड-पे को संशोधित कर 2800 रुपये के अनुरूप करना, समय-सीमा के भीतर प्रथम व द्वितीय समयमान वेतनमान का लाभ देना तथा राजस्व निरीक्षक एवं नायब तहसीलदार के पदों पर नियमित एवं समयबद्ध पदोन्नति सुनिश्चित करना शामिल है। इसके साथ ही पटवारियों ने कार्य की आधुनिक प्रकृति को देखते हुए जरूरी भत्ते और संसाधन उपलब्ध कराने की भी मांग उठाई है। मांगों के पूरा न होने की स्थिति में मध्य प्रदेश पटवारी संघ द्वारा आगामी 3 अगस्त 2026 से प्रदेशव्यापी अनिश्चितकालीन कलमबंद हड़ताल का आह्वान किया गया है।

सीएमएचओ ने स्वास्थ्य संस्थानों का किया निरीक्षण

नवभारत न्यूज

पन्ना, 01 अगस्त। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आर पी तिवारी द्वारा अजयगढ़ विकासखंड के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोरा, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अजयगढ़ एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर हरदी का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान दस्तक अभियान की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। सीएमएचओ ने दस्तक अभियान के अंतर्गत 5 वर्ष तक के बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण, गंभीर कुपोषित एवं मध्यम कुपोषित बच्चों की पहचान, गंभीर एनीमिया वाले बच्चों की स्क्रीनिंग, दस्त रोग से प्रभावित बच्चों को ओआरएस एवं जिंक का वितरण, विटामिन-ए अनुपूरण, जन्मजात विकृतियों एवं अन्य बीमारियों से ग्रसित बच्चों की पहचान, आवश्यकतानुसार रेफरल एवं उपचार की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों को निर्देशित किया कि इन सभी गतिविधियों एवं उपलब्धियों की दस्तक पोर्टल पर शत-प्रतिशत ऑनलाइन प्रविष्टि सुनिश्चित की जाए, जिससे अभियान की वास्तविक प्रगति परिलक्षित हो सके। भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के संबंध में भी विस्तृत चर्चा की गई। सीएमएचओ ने कहा कि अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता आमजन को गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने स्वास्थ्य संस्थानों में साफ-सफाई, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता, मरीजों के प्रति संवेदनशील एवं सम्मानजनक व्यवहार, समय पर उपचार, विभाग में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं (आयुष्मान योजना, जननी सुरक्षा, प्रसूति सहायता योजना) का प्रभावी क्रियान्वयन तथा प्राप्त शिकायतों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

हजूरी तालाब में मिला लापता छात्रा का शव

जांच में जुटी पुलिस

नवभारत न्यूज

पन्ना, 01 अगस्त। अजयगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले नगर परिषद कार्यालय के ठीक पीछे स्थित ऐतिहासिक हजूरी तालाब परिसर में उस समय सनसनी फैल गई, जब पिछले चैबीस घंटों से लापता एक सत्रह वर्षीय छात्रा का शव पानी की सतह पर तैरता हुआ पाया गया।

शुक्रवार की अलसुबह जब एक स्थानीय राहगीर तालाब के समीप से गुजर रहा था, तब उसने पानी में एक शव को उतराते हुए देखा। राहगीर ने घटना की जानकारी तुरंत मृतका के परिजनों और स्थानीय पुलिस को दी, जिसके बाद मौके पर भारी भीड़ एकत्रित हो गई। थाना पुलिस द्वारा की गई त्वरित शिनाख्त में यह बात सामने आई कि मृतका हजूरी तालाब के पास की ही निवासी किरण सोनकर (17 वर्ष) थी, जो खिंचड़ू सोनकर की पुत्री थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, किरण आगामी 29 जुलाई की देर रात करीब 11 बजे अचानक अपने घर से बिना किसी को कोई सूचना दिए कहीं चली गई थी। घटनाक्रम के समय मृतका के माता-पिता अपने पैतृक निवास जौनपुर (उत्तर प्रदेश) गए हुए थे, और घर पर केवल किरण की बड़ी बहन और उसके जीजा सुनील सोनकर ही उपस्थित थे। परिजनों ने रात में अपने स्तर पर काफी खोजबीन की, किंतु कोई सुराग न मिलने पर 30 जुलाई को अजयगढ़ थाने में औपचारिक तौर पर गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया गया था। पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों और नागरिकों की सहायता से शव को तालाब से बाहर निकलवाया। पुलिस ने तत्काल मर्ग कायम कर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की और शव को पोस्टमॉर्टम परीक्षण के लिए भेज दिया।

मौलाना पर नाबालिग लड़की को बंद कर छेडछाड़ करने का आरोप

पन्ना, 01 अगस्त। पन्ना शहर की टिकुरिया मोहल्ला स्थित एक मदरसे से जुडा गंभीर मामला सामनें आया है। बच्ची के परिजनों ने मौलाना पर बच्ची को बंद कर उससे छेडछाड करने का आरोप लगाया है। हासिल जानकारी के अनुसार नाबालिग बच्ची के परिजनों ने आरोप लगाया है कि मौलाना मुबारक हुसैन जो की सागर का रहने वाला बताया गया है टिकुरिया मोहल्ला स्थित मदरसे में बच्चों को पढाते है जिसके लिये बच्ची मदरसे गई थी। जब बच्ची काफी समय तक लौट के नही आई तो उसके परिजन बच्ची की तलाश के लिये मदरसा पहुंचे और मौलाना से बच्ची के बारे में पूछां। मौलाना ने परिजनों को गुमराह करते हुये बताया कि वह अपनी सहेली के साथ चली गई।

दो लाख रुपए के गांजे के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

नवभारत न्यूज

पन्ना, 01 अगस्त। पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में पन्ना जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अमानगंज थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है।

पुलिस टीम ने मुखबिर की सटीक सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पवई रोड बायपास तिराहे के पास से एक शातिर नशा तस्कर को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी के पास से पुलिस ने

करीब 2 लाख रुपये मूल्य का 04 किलो 164 ग्राम अवैध सूखा गांजा बरामद किया है। 31 जुलाई को अमानगंज थाना प्रभारी को सूचना मिली कि एक संदिग्ध व्यक्ति, पवई रोड बायपास से पैदल अमानगंज की तरफ आ रहा है और उसके पास संदिग्ध सामान है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने उसे हिरासत में ले लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम रूज्जन सिंह पारधी (30 वर्ष), पिता रमेश सिंह पारधी, निवासी कुपना, थाना शाहनगर, जिला पन्ना बताया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 4 किलो 164 ग्राम अवैध सूखा गांजा बरामद हुआ, जिसे पुलिस ने विधिवत जप्त कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना अमानगंज में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

वन भूमि पर अतिक्रमण के दो और प्रयास विफल

नवभारत न्यूज

पन्ना, 01 अगस्त। दक्षिण पन्ना वनमंडल में शाहनगर वन परिक्षेत्र के बोरी सर्किल अंतर्गत बीट गजन्दा के कक्ष 933 में नियमित गश्ती के दौरान ग्राम गजन्दा निवासी खुशीलाल लोधी द्वारा वन भूमि पर अवैध रूप से टपरिया एवं बागड़ बनाकर अतिक्रमण का प्रयास किया जा रहा था।

वन अमले ने मौके पर पहुंचकर त्वरित कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण के प्रयास को विफल कर दिया। इसी प्रकार कल्दा वन परिक्षेत्र अंतर्गत बीट महगवां के कक्ष 899 में लगभग 1.4 हेक्टेयर वन भूमि पर किए गए अतिक्रमण के विरुद्ध भी वन विभाग द्वारा प्रभावी कार्रवाई की गई।

सल्फास खाने वाले युवक को डायल-112 ने पहुंचाया अस्पताल

22 वर्षीय युवक को मौत के मुंह से बाहर निकाल लिया

नवभारत न्यूज

पन्ना, 01 अगस्त। सिमरिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत हरदुआ चैकी पुलिस और डायल-112 की टीम ने अपनी सूझबूझ और तत्परता से एक 22 वर्षीय युवक को मौत के मुंह से बाहर निकाल लिया।

जहरीला पदार्थ खाने के बाद बेसुध पड़े युवक को पुलिस टीम ने बेहद कम समय में अस्पताल पहुँचाकर उसकी जान बचा ली। यह पूरी घटना बीते दिनों की है जब भोपाल स्थित डायल-112 कंट्रोल रूम को एक युवक ने फोन कर खुद के जहरीला पदार्थ खाने की सूचना दी। युवक की हालत इतनी खराब थी कि वह फोन पर अपना सही पता भी नहीं बता पा रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए हरदुआ चैकी पुलिस और डायल-112 की टीम ने मोबाइल लोकेशन के आधार पर तुरंत युवक की तलाश शुरू कर दी। खोजबीन के दौरान पुलिस टीम पड़रिया मोड़ के पास पहुँची जहाँ एक सागौन के पेड़ के नीचे युवक अचेत अवस्था में पड़ा मिला। पुलिस टीम ने सूझबूझ और रफ्तार का परिचय देते हुए लगभग 55 किलोमीटर की दूरी को महज 40 मिनट में तय कर डाला और युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पवई पहुँचाया। वहाँ डॉक्टरों ने तुरंत उसका इलाज शुरू किया और प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उसे जिला अस्पताल कटनी रेफर कर दिया गया। समय पर इलाज मिलने के कारण युवक की जान बच गई और अब वह खतरे से बाहर है। होश में आने के बाद युवक की पहचान ग्राम बौधा निवासी भूपेंद्र बर्मन के रूप में हुई है।

लुटेरी दुल्हन गिरोह की दुल्हन सहित 4 गिरफ्तार, शादी के नाम पर की थी 1 लाख की ठगी

नवभारत न्यूज

पन्ना, 01 अगस्त। मध्य प्रदेश के पन्ना जिले की अमानगंज थाना पुलिस ने शादी के नाम पर भोले-भले लोगों को अपना शिकार बनाने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए लुटेरी दुल्हन समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक आरोपी अभी भी फरार है।

पकड़े गए आरोपियों के पास से घटना में इस्तेमाल की गई कार, मोबाइल और नकदी सहित करीब 5 लाख 25 हजार रुपये का मशरूका बरामद किया गया है। पुलिस से

मिली जानकारी के अनुसार, महेबा निवासी 32 वर्षीय फरियादी सुरेन्द्र सिंह राजपूत ने अमानगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपियों ने उसकी शादी कराने के नाम पर 1 लाख रुपये नगद लिए थे।

शादी संपन्न होने के कुछ ही दिनों बाद दुल्हन रात के अंधेरे में घर से कीमती सामान समेटकर फरार हो गई।

पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अमानगंज थाने में बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पन्ना पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन पर अमानगंज थाना प्रभारी निरीक्षक हेमन्त कुमार नायक के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया।

अन्य आरोपी की सरगर्मी से तलाश

पुलिस टीम ने संभावित ठिकानों पर दबिश दी और नागपुर व दमोह क्षेत्र के आरोपियों को धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपियों में मुख्य आरोपिया (दुल्हन) माधुरी थोबानी निवासी नागपुर (महाराष्ट्र), हक्के यादव व अनिल यादव निवासी जिला दमोह और करन सिंह राजपूत निवासी जिला पन्ना शामिल हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से 5 लाख रुपये कीमत की एक पुरानी ट्राईवर कार, 3 मोबाइल फोन और नकदी जब्त की है। पुलिस फरार चल रहे एक अन्य आरोपी की सरगर्मी से तलाश कर रही है।